ये अव्यक्त इशारे

सच्चे दिल से साहेब राज़ी कर परमात्म दिलतख्त नशीन बनो

23-12-2022

बापदादा सदा कहते हैं कि जिस भी सेन्टर पर मातायें होती हैं वह सेन्टर सदा फलीभूत होता है। चाहे कमायें नहीं लेकिन दिल बड़ी होती है, भावना बड़ी होती है। तो बाप भी भावना और सच्ची दिल को पसन्द करते हैं। भोले बाप को राज़ी करने का साधन है - सच्ची दिल। सच्ची दिल बाप को क्यों प्रिय लगती है? क्योंकि बाप को कहते ही हैं सत्य। गॉड इज ट्रुथ कहते हैं ना! तो बापदादा को साफ दिल, सच्ची दिल वाले बहुत प्रिय हैं। ऐसे है ना! साफ दिल है, सच्ची दिल है। सत्यता ही ब्राह्मण जीवन की महानता है।

Imbibe honesty and cleanliness and please the true Lord

BapDada always says: Wherever there are mothers at a centre, that centre is very successful. Even if they are not earning, they have a big heart, they have huge bhavna. The Father likes bhavna and a big heart. The way to please the innocent Father is to have an honest heart. Why does the Father like an honest heart? Because the Father is said to be the Truth. It is said: God is Truth. So, BapDada very much loves those with a clean heart and a true heart. It is like that, is it not? A clean heart, a true heart. Truth is the greatness of Brahmin life.